D.El.Ed. IInd Sem

Subject :- S.St

Topic :- ज्वालामुखी के प्रकार

उदभेदन द्वारा उद्गार की अवधि मे अन्तर की दृष्टि से ज्वालामुखी को निम्नलिखित भागो मे बांटा जा सकता है।

ज्वालामुखी के प्रकार

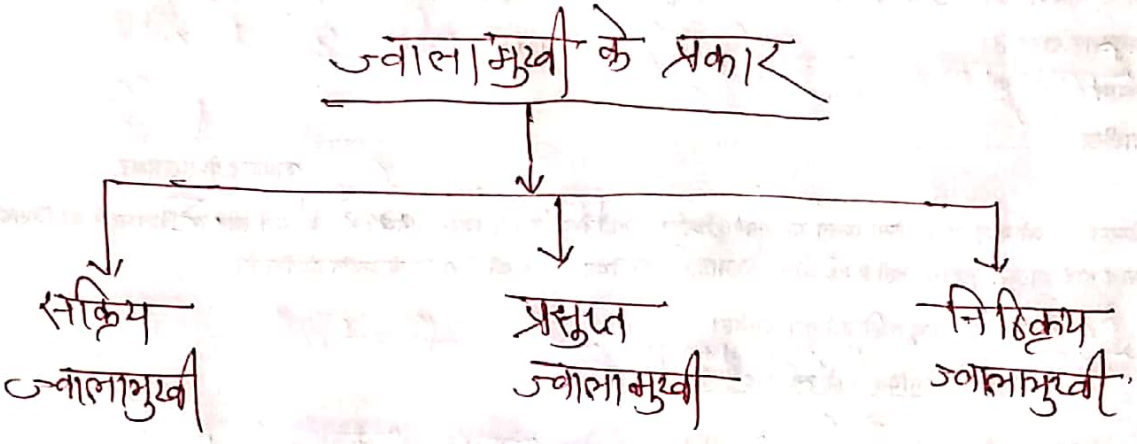

- सक्रिय ज्वालामुखी
- प्रसुप्त ज्वालामुखी
- निष्क्रिय ज्वालामुखी

1 सक्रिय ज्वालामुखी

जिन ज्वालामुखी में सदैव उदगार होता रहता है, उन्हें सक्रिय ज्वालामुखी कहते है। विश्व में ऐसे ज्वालामुखीयो की संख्या 500 है। सिसली (इटली) का एटना तथा भूमध्यसागर का स्ट्राम्बोली सक्रिय ज्वालामुखी के प्रमुख उदाहरण है। जो सदैव प्रज्वलित एवं प्रकाशमान रहते है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

2. प्रसुप्त ज्वालामुखी

वे ज्वालामुखी जिनमें एक बार उद्गार होने के बाद एक लम्बे समय तक उद्गार की कोई क्रिया नहीं होती, परन्तु विस्फोट की सम्भावना सदैव बनी रहती है, तथा थोड़े - थोड़े समय के अन्तर से अनायास ही उद्गार होता रहता है, प्रसुप्त ज्वालामुखी कहलाते है। इसका उदाहरण इटली का विसूवियस ज्वालामुखी है।

3. निष्क्रिय ज्वालामुखी

इस श्रेणी में वे ज्वालामुखी आते हैं जिनमें एक बार उदगार होने के बाद भविष्य में कोई उदगार होने की सम्भावना नहीं रहती है ईरान का कोह सुल्तान एवं देमावन्द तथा म्यांमार का पोपा निष्क्रिय ज्वालामुखी के प्रमुख उदाहरण है।

by
Mr. Parveen Raj
Assis Prof.
B.R.C. Deoband
SRE

Thankyou

Scanned with CamScanner